Series LPC 22

कोड नं.
Code No. 002

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में मुद्रित पृष्ठ **19** हैं।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में **17** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

I–PRE BOARD EXAMINATION

हिन्दी

कक्षा–दसवीं

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न–पत्र में **दो खण्ड** हैं– **'अ'** और **'ब'**।

2) **खण्ड 'अ'** में **49** वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल **40** प्रश्नों के ही उत्तर देने हैं।

3) **खण्ड 'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

This paper consists of 19 printed pages.

खण्ड 'अ' (बहुविकल्पीय / वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– [1×5=5]

गीता के इस उपदेश की लोग प्रायः चर्चा करते हैं कि कर्म करें, फल की इच्छा न करें। यह कहना तो सरल है, पर पालन उतना सरल नहीं । कर्म के मार्ग पर आनंदपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अंतिम फल तक न भी पहुँचे तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्म करते हुए उसका जो जीवन बीता, वह संतोष या आनंद से बीता, उसके उपरान्त फल की अप्राप्ति पर भी उसे यह पछतावा न रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया। फल पहले से कोई बना–बनाया पदार्थ नहीं होता। अनुकूल प्रयत्न–कर्म के अनुसार, उसके एक–एक अंग की योजना होती है। किसी मनुष्य के घर का कोई प्राणी बीमार है। वह वैद्यों के यहाँ से जब तक औषधि ला–लाकर रोगी को देता जाता है तब तक उसके चित्त में जो संतोष रहता है, प्रत्येक नए उपचार के साथ जो आनंद का उन्मेष होता रहता है–यह उसे कदापि न प्राप्त होता, यदि वह रोता हुआ बैठा रहता। प्रयत्न की अवस्था में उसके जीवन का जितना अंश संतोष, आशा और उत्साह में बीता, अप्रयत्न की दशा में उतना ही अंश केवल शोक और दुःख में कटता। इसके अतिरिक्त रोगी के न अच्छे होने की दशा में भी वह आत्म–ग्लानि के उस कठोर दुःख से बचा रहेगा। जो उसे जीवनभर यह सोच–सोचकर होता कि मैंने पूरा प्रयत्न नहीं किया। कर्म में आनंद का अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और शमन करते हुए कर्म करने से चित्त में जो तुष्टि होती है, वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है।

i) कर्म करने वाले को फल न मिलने पर भी पछतावा नहीं होता क्योंकि –

क) अंतिम फल पहुँच से दूर होता है।

ख) प्रयत्न न करने का भी पश्चाताप नहीं होता।

ग) वह आनंदपूर्वक काम करता रहता है।

घ) उसका जीवन संतुष्ट रूप से बीतता है।

ii) घर के बीमार सदस्य का उदाहरण क्यों दिया गया है–

क) पारिवारिक कष्ट बताने के लिए

ख) नया उपचार बताने के लिए

ग) शोक और दुःख की अवस्था के लिए

घ) सेवा के संतोष के लिए

iii) कर्मण्य किसे कहा गया है ?

क) जो काम करता है।

ख) जो दूसरों से काम करवाता है।

ग) जो काम करने में आनंद पाता है।

घ) जो उच्च और पवित्र कर्म करता है।

iv) कर्मवीर का सुख किसे माना गया है ?

क) अत्याचार का दमन

ख) कर्म करते रहना

ग) कर्म करने से प्राप्त संतोष

घ) फल के प्रति तिरस्कार भावना

v) गीता के किस उपदेश की ओर संकेत है ?

क) कर्म करें तो फल मिलेगा।

ख) कर्म की बात करना सरल है।

ग) कर्म करने से संतोष होता है।

घ) कर्म करें फल की चिंता नहीं।

2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :– [1×5=5]

आ रही रवि की सवारी

नव किरण का रथ सजा है,

कलि–कुसुम से पंथ सजा है,

बादलों से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाकधारी।

आ रही रवि की सवारी।

विहग बंदी और चारण,

गा रही है कीर्ति–गायन,

छोड़कर मैदान भागी, तारकों की फौज सारी।

आ रही रवि की सवारी,

चाहता, उछलूँ विजय कह,

पर ठिठकता देखकर यह रात का राजा

खड़ा है, राह में बनकर भिखारी

आ रही रवि की सवारी।

i) कविता में किस समय का वर्णन है –

क) उषा का

ख) संध्या का

ग) दोपहर का

घ) रात्रि का

ii) रवि की सवारी किस पर आ रही है–

क) फूलों के रथ पर

ख) नई किरणों के रथ पर

ग) बादलों के रथ पर

घ) रेशम के रथ पर

iii) स्वर्ण की पोशाकधारी से क्या तात्पर्य है–

क) सोने के वस्त्र पहने हुए हैं।

ख) अनुचरों ने सुनहरी पोशाक पहनी है।

ग) बादलों का रंग लाल हो गया है।

घ) बादलों में स्वर्णिम आभा झलक उठी है।

iv) रवि के आते ही कौन भाग खड़ा हुआ है–

क) चाँद

ख) तारों की फौज

ग) अंधकार

घ) रात का राजा

v) 'विहग' की तुलना किससे की गई है–

क) कवि से

ख) भाट–चारण से

ग) गायक से

घ) प्रशंसक से

अथवा

मैं बचपन को बुला रही थी, बोल उठी बिटिया मेरी।

नंदन–वन–सी फूल उठी, यह छोटी–सी कुटिया मेरी।।

'माँ ओ' कहकर बुला रही थी मिट्टी खाकर आई थी।

कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में मुझे खिलाने आई थी।

पुलक रहे थे अंग, दृग में कौतूहल था छलक रहा।

मुँह पर थी आह्लाद–लालिमा, विजय–गर्व था झलक रहा।।

मैंने पूछा :'यह क्या लाई' ? बोल उठी वह माँ, काओ।

हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से मैंने कहा–'तुम्हीं खाओ'।

पाया मैंने बचपन फिर से बचपन बेटी बन आया।

उसकी मंजुल मूर्ति देखकर मुझमें नवजीवन आया।।

मैं भी उसके साथ खेलती, खाती हूँ, तुतलाती हूँ।

मिलकर उसके स्वयं मैं भी बच्ची बन जाती हूँ।

जिसे खोजती थी बरसों से अब जाकर उसको पाया।

भाग गया था मुझे छोड़कर, वह बचपन फिर से आया।।

i) काव्यांश के आधार पर बताइए कि कवयित्री ने अपने बचपन को किस रूप में पुनः पाया–

   क) सहेली के रूप में

   ख) अपनी बिटिया के रूप में

   ग) बचपन की मधुर स्मृति के रूप में

   घ) माँ के रूप में

ii) कवयित्री वर्षों से किसे खोज रही थी ?

   क) अपनी बेटी को

   ख) बचपन की सहेली को

   ग) अपनों के साहचर्य को

   घ) अपने बचपन को

iii) कवयित्री की बेटी के चेहरे पर किस कारण विजय–गर्व झलक रहा था ?

क) माँ को संग खेलते देखकर

ख) माँ के साथ मिट्टी में खेलने के कारण

ग) माँ को मिट्टी खिलाने के कारण

घ) माँ को प्रसन्न देखकर

iv) मिट्टी खिलाने आई बेटी की छवि कैसी थी ?

क) उसका शरीर धूल–धूसरित था और आँखों में डर था।

ख) उसका अंग–अंग पुलकित हो रहा था और उसकी भोली आँखों से उत्सुकता छलक रही थी।

ग) उसकी आँखों में शरारत नज़र आ रही थी।

घ) उसकी छवि मनमोहक और आकर्षक थी।

v) बेटी और माँ के बीच क्या संवाद हुआ ?

क) माँ ने पूछा 'यह क्या लाई हो' और बेटी बोल उठी माँ। काओ।

ख) माँ ने पूछा 'मिट्टी क्यों खा रही हो ?' और बेटी बोल उठी माँ! तुम भी खाओ।

ग) माँ ने पूछा 'क्या खेल रही हो ?' और बेटी बोल उठी माँ! आओ तुम भी खेलो।

घ) माँ ने पूछा 'हाथ में क्या लाई हो ?' और बेटी बोल उठी माँ! तुम्हारे लिए मिट्टी लाई हूँ।

व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– [1×4=4]

i) जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और अन्य आश्रित उपवाक्य हो, उसे कहते हैं –

क) सरल वाक्य

ख) संयुक्त वाक्य

ग) मिश्र वाक्य

घ) विधान वाक्य

ii) वह कुश्ती लड़ने गया और हारकर लौटा।' का सरल वाक्य में रूपांतरण है–

क) वह कुश्ती में हार गया।

ख) वह कुश्ती में हारकर लौटा।

ग) वह कुश्ती लड़ने गया था, लेकिन हार गया।

घ) वह कुश्ती में हार गया, इसलिए लौट आया।

iii) 'यह वही लड़का है, जो कल आया था।' रेखांकित उपवाक्य का भेद है–

क) संज्ञा उपवाक्य

ख) विशेषण उपवाक्य

ग) क्रिया–विशेषण उपवाक्य

घ) सर्वनाम उपवाक्य

iv) 'यह विद्वान है, तुम नितांत मूर्ख हो।' वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण है–.

क) यह विद्वान है और तुम नितांत मूर्ख हो।

ख) क्योंकि यह विद्वान है, इसलिए तुम नितांत मूर्ख हो।

ग) यह विद्वान भी है और नितांत मूर्ख भी है।

घ) यह और तुम दोनों विद्वान हो।

v) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य का उदाहरण है –

क) उसने परिश्रम किया और उसे सफलता भी मिली।

ख) परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है।

ग) जिसने भी परिश्रम किया वह अवश्य सफल होगा।

घ) परिश्रम करने और सफल होने में सीधा संबंध है।

4. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– [1×4=4]

i) सूचना दे दी गई है।' वाक्य में वाच्य है–

क) कर्तृवाच्य

ख) कर्मवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) क्रियावाच्य

ii) 'पानवाले ने यह रहस्य बता दिया।' वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तन है–

क) पानवाला यह रहस्य बता देगा।

ख) पानवाले द्वारा यह रहस्य बता दिया जाएगा।

ग) पानवाले द्वारा यह रहस्य बता दिया गया।

घ) पानवाला यह रहस्य बता रहा है।

iii) 'आइए, उस बेंच पर बैठें।' का भाववाच्य में परिवर्तन है–

क) आइए, उस बेंच पर बैठा जाए।

ख) आइए, उस बेंच पर बैठेंगे।

ग) आइए, उस बेंच पर बैठना चाहिए।

घ) आइए, उस बेंच पर बैठ जाते हैं।

iv) 'बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाते थे।' वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तन है–

क) बालगोबिन भगत ने प्रभातियाँ गाईं।

ख) बालगोबिन भगत द्वारा प्रभातियाँ गाई जाती थीं।

ग) बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाएँगे।

घ) बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गा रहे थे।

v) 'किसान के द्वारा खेत की जुताई की गई ? वाक्य का कर्तृवाच्य में परिवर्तन है–

क) किसान के द्वारा खेत की जुताई की जा सकती है।

ख) किसान द्वारा खेत जोता गया।

ग) किसान ने खेत की जुताई की।

घ) किसान से खेत की जुताई की जाएगी।

5. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– [1×4=4]]

i) अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मैं तरस गया।–रेखांकित शब्द का पद परिचय है :–

क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

ग) भाववाच्य संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ii) यह साइकिल किसकी है ?– रेखांकित का परिचय है :–

क) निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन , कर्ता कारक

ख) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, साइकिल विशेष्य

ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

घ) संबंधवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

iii) घर के साथ ही एक बगीचा होता था।

क) संबंधबोधक अव्यय, घर और बगीचे के बीच संबंध दर्शा रहा है।

ख) समुच्चयबोधक अव्यय, घर और बगीचे को जोड़ना

ग) क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'होता था' की विशेषता

घ) निपात

iv) 'शाबाश! तुमने बहुत अच्छा काम किया।–रेखांकित का पद परिचय है :–

क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ख) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

घ) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

v) तालाब में कमल खिलते हैं।

क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

6. निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – [1×4=4]

i) 'अंबर के तारे मानो मोती अनगन हैं' में अलंकार है –

क) उपमा

ख) रूपक

ग) उत्प्रेक्षा

घ) श्लेष

ii) माया महा ठगिनि हम जानी।

तिरगुन फाँस लिए कर डोलै, बोलै मधुरी बानी।

क) श्लेष

ख) उत्प्रेक्षा

ग) रूपक

घ) उपमा

iii) 'लो यह लतिका भी भर लाई

मधु मुकुल नवल रस गागरी'।– में अलंकार है–

क) उत्प्रेक्षा

ख) श्लेष

ग) मानवीकरण

घ) अतिशयोक्ति

iv) आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।

राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।।

क) उत्प्रेक्षा

ख) अतिशयोक्ति

ग) मानवीकरण

घ) श्लेष

v) उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा।

मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा।।

क) मानवीकरण

ख) श्लेष

ग) उत्प्रेक्षा

घ) अतिशयोक्ति

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :– [1×5=5]

इसने उन्हें मान और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम से कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे, जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब–तब हम लोग भी उसके चपेट में आते ही रहते।

i) मन्नू के पिता का स्वभाव शक्की क्यों हो गया ?

क) अपनों के हाथों विश्वासघात के कारण

ख) आर्थिक विवशताओं के कारण

ग) अपने बच्चों से मिली उपेक्षा के कारण

घ) उपरोक्त सभी कारणों से

ii) इससे पहले उनकी आर्थिक स्थिति इंदौर में कैसी थी ?

क) आर्थिक अभाव के कारण जीवनयापन कठिनता से

ख) नवाबी ठाठ, प्रतिष्ठा, अच्छी आर्थिक स्थिति

ग) मध्यमवर्गीय परिवार

घ) इनमें से कोई नहीं

iii) किस कार्य ने उन्हें बहुत यश और प्रतिष्ठा दी किन्तु अर्थ नहीं ?

क) उनके द्वारा किए गए समाज सुधार के कार्यों ने

ख) उनके द्वारा किए गए धार्मिक कार्यों ने

ग) उनके द्वारा लिखे गए अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश ने

घ) इनमें से कोई नहीं

iv) गिरती आर्थिक स्थिति का लेखिका के पिता पर क्या प्रभाव पड़ा?

क) उन्हें अधिक क्रोधी और अहंकारी बना दिया

ख) उन्हें बहुत डरपोक बना दिया।

ग) उनके व्यक्तित्व के सकारात्मक पक्षों को नष्ट कर दिया

घ) विकल्प (क) और (ग) दोनों सही हैं।

v) उनके चिड़चिड़े स्वभाव और कोप का भाजन किसे बनना पड़ता था ?

क) लेखिका की सहनशील माँ को

ख) लेखिका को

ग) लेखिका की बड़ी बहन को

घ) इनमें से कोई नहीं

8. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :– [1×2=2]

i) 'सुषिर वाद्यों' से अभिप्राय है–

क) तार वाले वाद्य

ख) आघात से बजाए जाने वाले वाद्य

ग) चमड़े से मढ़े वाद्य

घ) फूँक कर बजाए जाने वाले वाद्य

ii) नवाब साहब की आँखों में लेखक को क्या दिखाई दिया ?

क) असंतोष

ख) उत्साह

ग) बेचैनी

घ) आँसू

9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– [1×5=5]

कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो हिचक साफ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

i) मुख्य गायक को ढाँढस कौन बँधाता है ?

क) उसके परिवार के सदस्य

ख) संगतकार

ग) उसके शिष्य

घ) उपर्युक्त सभी

ii) इसके लिए वह क्या करता है और उसे क्या बताना चाहता है ?

क) वह मुख्य गायक के स्वर में स्वर मिलाकर उसका साथ देता है।

ख) वह उसको बताना चाहता है कि वह अकेला नहीं है।

ग) उसके गाए हुए गीत को फिर से गाया जा सकता है।

घ) उपर्युक्त सभी

iii) वह अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश क्यों करता है ?

क) वह ऊँचे स्वर में गा नहीं सकता।

ख) उसका गला बैठा होता है।

ग) मुख्य गायक को मान देने के लिए वह ऐसा करता है।

घ) उसे अभी ठीक से गाना नहीं आता है।

iv) कवि के अनुसार उसके इस प्रयास को उसकी विफलता न समझकर क्या समझना चाहिए ?

क) उसकी मनुष्यता

ख) उसका अधिकार

ग) उसका कर्त्तव्य

घ) उसकी अयोग्यता

v) उपर्युक्त काव्यांश में से 'ता' प्रत्यय युक्त दो शब्द लिखिए–

क) विफलता, सफलता

ख) सफलता, मनुष्यता

ग) मनुष्यता, विफलता

घ) जागरूकता, विफलता

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– [1×2=2]

i) कवि ने स्वयं को 'अतिथि' क्यों कहा है ?–

क) कवि घुमक्कड़ प्रवृत्ति का है।

ख) वह प्रायः प्रवासी जीवन व्यतीत करता है।

ग) वह अपने घर अधिक दिनों तक नहीं ठहरता।

घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

ii) 'पर–पर कर देने' का अर्थ है–

क) उत्साह से भर देना

ख) दुःखी कर देना

ग) पंख लगा देना

घ) पत्ता–पत्ता बिखेर देना

खण्ड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– [2×3=6]

क) 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकेंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा ?

ख) काशी में हो रहे कौन–से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे ?

ग) 'संस्कृति' पाठ में न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे कौन–से तर्क दिए गए हैं ?

घ) दो उदाहरण दीजिए जिनसे आपको लगा हो कि बालगोबिन भगत सामाजिक रूढ़ियों से न बँधकर प्रगतिशील विचारों का परिचय देते हैं।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– [2×3=6]

क) सूर के पदों के आधार पर गोपियों का योग के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

ख) निराला जी बादलों से फुहारों, रिमझिम तथा अन्य प्रकार से बरसने को न कहकर 'गरजते हुए' बरसने की याचना क्यों करते हैं ? बताइए।

ग) कवि ने शिशु की मुसकान को दंतुरित मुस्कान क्यों कहा है ?

घ) स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ?

13. पूरक पाठ्य पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए– [4×2=8]

क) सवेरे 'बाबूजी' किस ग्रंथ का पाठ किया करते थे और उस समय भोलानाथ कहाँ बैठते थे और क्या किया करते थे ? बाबूजी की इस दिनचर्या से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए।

ख) 'साना–साना हाथ जोड़ि' पाठ में कहा गया है कि 'कटाओ' पर किसी दुकान का न होना वरदान है, ऐसा क्यों ? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में युवा नागरिक की क्या भूमिका हो सकती है ?

ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' ? पाठ को आधार बनाकर बताइए कि लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस प्रकार महसूस किया ?

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए– [6]

क) 'गया वक्त फ़िर हाथ नहीं आता ?

संकेत बिन्दु –

- बीता समय फिर हाथ नहीं आता
- समय सबसे बड़ा धन
- जीवन में सफलता का आधार समय
- समय नष्ट करने वाले को समय ही नष्ट कर देता है।

ख) साइबर युग, साइबर ठगी : सावधानियाँ एवं सुरक्षा उपाय

संकेत बिन्दु –

- बढ़ते ऑनलाइन कार्य
- साइबर ठगी की बढ़ती घटनाएँ
- सावधानियाँ
- इससे बचने के उपाय

ग) नैतिक शिक्षा की आवश्यकता

संकेत बिन्दु –

- मानवीय मूल्यों का सम्मान आवश्यक
- 'वर्तमान शिक्षा–प्रणाली में' नैतिकता का अभाव
- चरित्र–निर्माण के लिए आवश्यक
- नैतिक शिक्षा का परिणाम

15. आए दिन चोरी और झपटमारी के समाचारों को पढ़कर जो विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार–पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में लिखकर व्यक्त कीजिए। [5]

अथवा

आपका छोटा भाई अनुराग परीक्षा में नकल करता पकड़ा गया, जिसके लिए उसे दंडित किया गया। अपने भाई को समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

16. टाटा मोटर्स, लखनऊ को मैकेनिकल इंजीनियरों की आवश्यकता है। उसके लिए अपना आवेदन पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त–लेखन कीजिए। स्ववृत (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में ही तैयार कीजिए। [5]

अथवा

नगर में बढ़ रहे डेंगू रोगियों की संख्या के प्रति चिन्ता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य–विभाग के अधिकारी को ई–मेल लिखिए।

17. आपके नगर में मिठाई की एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार–प्रसार के लिए लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। [4]

अथवा

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एन0टी0एस0ई0) में पहला स्थान प्राप्त करने पर अपने मित्र 'गोपाल' को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

#####